चैरिटी मीटर

अमेरिका में निजी क्षेत्र मदद के मामले में सरकार से आगे

हो सकता है आपको इस पर यकीन न आए, पर यह सच है। अमेरिका के हडसन संस्थान के वैश्विक संपन्नता केंद्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका का निजी क्षेत्र पूरी दुनिया में परोपकार के कार्यों के लिए जो मदद देता है, वह अमेरिकी सरकार द्वारा इस मकसद के लिए दी जाने वाली विकास संबंधी सहायता से लगभग चार गुना ज़्यादा है।

संस्थान ने अपनी रपट को 'अंतर्राष्ट्रीय दानवीरता सूचकांक' नाम दिया है। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2004 के दौरान अमेरिका के निजी धर्मार्थ संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, निगमों, प्रतिष्ठानों द्वारा दिया गया दान और आप्रवासियों द्वारा अपने घर भेजी गई धनराशि 71 अरब डॉलर के करीब थी। इसी अवधि में अमेरिकी सरकार ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में 20 अरब डॉलर की राशि भेजी। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने अमेरिकी सरकार को विकासशील देशों को सबसे ज़्यादा आर्थिक मदद देने वाला मुल्क करार दिया है। लेकिन संगठन ने दूसरे देशों को अपनी कुल राष्ट्रीय आय के हिसाब से सहायता देने के मामले में अमेरिका को अंतिम से दूसरे स्थान पर रखा है। अमेरिका अपनी सकल आय का 0.17 प्रतिशत दूसरे देशों को मदद के रूप में देता है।

हडसन संस्थान वॉशिंगटन, डी.सी. में है। संस्थान के मुताबिक, अमेरिका के मुकाबले यूरोप के देशों में निजी रूप से दान देने का चलन कम है। संस्थान के विशेषज्ञ कहते हैं कि अमेरिका के लोग जिस तरह अपने देश में परोपकार के कार्यों के लिए दान देते हैं उसी तरह वे विदेशों में भी देते हैं, जबकि यूरोप के आर्थिक एवं विकास संबंधी मामलों से जुड़े संस्थान इस तरह की मदद को खास तवज्जो नहीं देते।

धर्मार्थ संगठनों के एक फोरम 'इंडिपेंडेंट सेक्टर' का कहना है कि अमेरिका के तकरीबन आधे वयस्क स्वयंसेवक के रूप में काम करते हैं। हडसन संस्थान का सूचकांक बताता है कि इन युवाओं द्वारा अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में हर साल एक लाख 35 हजार घंटे का योगदान दिया जाता है, जिसे यदि धनराशि के रूप में आंका जाए तो यह चार अरब डॉलर से ज़्यादा बैठता है। इस रुझान को www.volunteerabroad.com जैसी वेबसाइटें बढ़ावा देती हैं। इस लिहाज से देखा जाए तो अमेरिका के निजी और स्वयंसेवी संगठनों ने विकासशील देशों को वर्ष 2004 में अकेले 9.7 अरब डॉलर की मदद दी। यह राशि जापान सरकार द्वारा दी गई सहायता से ज्यादा है।

हडसन संस्थान के वैश्विक संपन्नता केंद्र (http://gpr.hudson.org/) की निदेशक कैरोल सी. एडलमैन का कहना है कि विकासशील देशों के लोग इस तरह की मदद देने वाले संगठनों के नाम से परिचित हैं। इनमें प्रमुख हैं- अमेरिकी रेडक्रॉस, केयर, कैथलिक रिलीफ, रोटरी क्लब्स, लायंस क्लब्स, वाईएमसीए (यंग मैन्स क्रिश्चियन एसोसिएशन) और इनके विदेशी सहयोगी। संस्थान का कहना है कि वर्ष 2004 के दौरान अमेरिकी उद्योग जगत ने दूसरे मुल्कों को 4.9 अरब डॉलर की सहायता दी। एडलमैन कहती हैं कि यह सहायता कारोबार की तकनीक, जवाबदेही और पारदर्शिता के रूप में भी दी गई, जिससे अंततः दूरदराज के गांवों के लोगों को फ़ायदा पहुंचा है।

सैल्वेशन आर्मी के ओल्गा न्यून्स सैन जॉस, कैलिफोर्निया में एडवर्ड प्रस्टोलो को दानपात्र में चंदा डालते देखते हुए।

पॉल सैंड्हाम © पी.पी.ए. प्रा.-ड्रू-पी.पी.ए.

अमेरिका के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों ने ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, आयरलैंड और स्विट्जरलैंड के मुकाबले विकासशील देशों को छात्रवृत्ति के रूप में ज़्यादा (1.7 अरब डॉलर) मदद दी। हडसन का सूचकांक जानकारी देता है कि अमेरिका के विभिन्न प्रतिष्ठानों ने वर्ष 2004 में 3.4 अरब डॉलर का दान दिया। दान के मामले में शोध करने वाले संगठन 'फाउंडेशन सेंटर' का कहना है कि पिछले एक दशक के दौरान अमेरिका में प्रतिष्ठानों की संख्या में 77 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और 1998 से 2002 के बीच इनके द्वारा विदेशों में दी जाने वाली सहायता में शत प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सूचकांक में निजी क्षेत्र द्वारा 2004 में दिए गए दान को तालिकाओं के रूप में दर्शाया गया है। इससे पता चलता है कि इस अवधि में धार्मिक संगठनों ने 4.5 अरब डॉलर का दान किया और आप्रवासियों ने अपने देशों में 47 अरब डॉलर भेजे।

रिपोर्ट के लेखक कहते हैं कि यह अपनी तरह का पहला सालाना सर्वेक्षण है, जिसमें अब यूरोप और दुनिया के दूसरे हिस्सों के निजी दान के आंकड़े भी शामिल किए जाएंगे।

यह आलेख यूएसइनफो से लिया गया है जो अमेरिकी विदेश विभाग के अंतरराष्ट्रीय सूचना कार्यक्रम ब्यूरो का प्रकाशन है ।

यूएसए फ्रीडम कॉर

का संचालन व्हाइट हाउस से होता है। यह अमेरिकियों को अपने देश की सेवा करने के अवसर प्रदान करने वाले राष्ट्रीय सेवा कार्यक्रमों का समन्वय करती है जिसके तहत उनके समय और प्रतिभा का इस्तेमाल अन्य लोगों के साथ किया जाता है। सेवा कार्यक्रमों में अमेरिकॉर, सिटीजनकॉर, पीस कॉर, लर्न एंड सर्व अमेरिका और कोऑपरेशन फॉर नेशनल एंड कम्युनिटी सर्विस शामिल हैं।

http://www.usafreedomcorps.gov/about_usafc/programs/index.asp